दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार 25 सितंबर 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 356

देश के 11 राज्यों को पीएम मोदी की बड़ी सौगात, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 9 वंदे भारत ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देश के 11 राज्यों के विभिन्न गंतव्यों को जोडऩे वाली नौ वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। प्रधानमंत्री ने बताया कि देश में पहले से ही 25 वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं और अब 9 और ट्रेनें जोड़ी गई हैं। वह दिन दूर नहीं, जब ये ट्रेन देश के सभी हिस्सों को जोड़ेगी। रेल मंत्रालय ने आज यहां बताया कि ये नई वंदे भारत ट्रेनें देश भर में कनेक्टिविटी में सुधार और रेल यात्रियों को विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक कदम हैं।

जिन नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई वे उदयपुर-जयपुर वंदे भारत एक्सप्रेस, तिरुनेलवेली-मदुरै-चेन्नई वंदे भारत एक्सप्रेस, हैदराबाद-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस, विजयवाड़ा चेन्नई (बारास्ता रेनिगुंटा) वंदे भारत एक्सप्रेस, पटना-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस, कासरगोड-तिरुवनंतपुरम वंदे भारत एक्सप्रेस, राउरकेला-भुवनेश्वर-पुरी वंदे भारत एक्सप्रेस, रांची-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस तथा जामनगर-अहमदाबाद वंदे भारत एक्सप्रेस हैं। ये नौ ट्रेनें ग्यारह राज्यों राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, बिहार, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा,झारखंड और गुजरात में कनेक्टिविटी के साथ साथ पर्यटन को बढ़ावा देंगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने 9 वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने के बाद कहा वंदे भारत ट्रेन की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। इनमें 1,11,00,000 से अधिक यात्री सफर कर चुके हैं। जिस रूट पर ट्रेनों को प्रधानमंत्री ने हरी झंडी दी है उस पर वर्तमान में सबसे तेज़ ट्रेन की तुलना में, राउरकेला-भुवनेश्वर-पुरी वंदे भारत एक्सप्रेस और कासरगोड-तिरुवनंतपुरम वंदे भारत एक्सप्रेस लगभग 3 घंटे तेज़ होंगी।

ये वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें अपने संचालन के मार्गों पर सबसे तेज़ ट्रेन होंगी और यात्रियों का काफी समय बचाने में मदद करेंगी। मार्ग पर वर्तमान सबसे तेज़ ट्रेन की तुलना में, राउरकेला-भुवनेश्वर-पुरी वंदे भारत एक्सप्रेस और कासरगोड-तिरुवनंतपुरम वंदे भारत एक्सप्रेस लगभग 3 घंटे तेज़ होंगी। हैदराबाद-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस 2.5 घंटे से अधिक, तिरुनेलवेली-मदुरै-चेन्नई वंदे भारत एक्सप्रेस 2 घंटे से अधिक तथा रांची-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस, पटना-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस और जामनगर-अहमदाबाद वंदे भारत एक्सप्रेस करीब एक एक घंटे की बचत करेंगी। जबकि उदयपुर-जयपुर वंदे भारत एक्सप्रेस लगभग आधे घंटे का समय बचाएगी।

देश भर में महत्वपूर्ण धार्मिक स्थानों की कनेक्टिविटी में सुधार करने के प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप, राउरकेला-भुवनेश्वर-पुरी वंदे भारत एक्सप्रेस और तिरुनेलवेली-मदुरै-चेन्नई वंदे भारत एक्सप्रेस पुरी और मदुरै के महत्वपूर्ण धार्मिक शहरों को जोड़ेगी। इसके अलावा, विजयवाड़ा-चेन्नई वंदे भारत एक्सप्रेस रेनिगुंटा मार्ग से संचालित होगी और तिरुपति तीर्थस्थल के लिए कनेक्टिविटी प्रदान करेगी।

रेल मंत्रालय के अनुसार इन वंदे भारत ट्रेनों की शुरूआत से देश में रेल सेवा के एक नए मानक की शुरुआत होगी। विश्व स्तरीय सुविधाओं और कवच तकनीक सहित उन्नत सुरक्षा सुविधाओं से सुसज्जित ये ट्रेनें आम लोगों, पेशेवरों, व्यापारियों, छात्र समुदाय और पर्यटकों को यात्रा के आधुनिक, त्वरित और आरामदायक साधन प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होंगी।

महत्वपूर्ण एवं खास

यात्री ट्रेन और मालगाड़ी टकराने से 31 लोग घायल; 4 रेलवे अधिकारियों पर गिरी गाज

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में रविवार को एक यात्री ट्रेन और मालवाहक ट्रेन की टक्कर में 31 लोग घायल हो गए। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि दुर्घटनास्थल पर बचाव कार्य चल रहा है और दुर्घटना की जांच शुरू कर दी गई है। रेलवे के एक प्रवक्ता ने बताया कि दुर्घटना के बाद सुबह 7.30 बजे ट्रैक को साफ कर दिया गया। ट्रेन ड्राइवर इमरान सरवर और उनके सहायक मुहम्मद बिलाल सहित चार रेलवे अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) के अध्यक्ष शहबाज शरीफ ने घटना पर दुख व्यक्त किया है और दुर्घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

दर्दनाक हादसा: ईंधन डिपो में ब्लास्ट के बाद लगी भीषण आग, 34 लोग जिंदा जले

कोटोनौ । नाइजीरिया की सीमा के पास बेनिन में ईंधन डिपो में आग लगने के बाद धमाका हो गया। इस हादसे में 34 लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में दो बच्चे भी शामिल हैं। प्रतिबंधित ईंधन डिपो में आग लगने के बाद विस्फोट हो गया, जिसके कारण आसमान में धुएं का काला बादल छा गया। बेनिन के आंतरिक मंत्री अलसाने सेइदौ ने बताया कि शहर में एक ईंधन डिपो में भीषण आग लग गई है। हालांकि, यह आग कैसे लगी इस बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने इस हादसे को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि आग की चपेट में आने से दो बच्चों सहित कुल 34 लोगों की मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि इस हादसे में 20 लोग घायल भी हुए हैं, जिनको अस्पताल में भर्ती कराया गया है और इनमें से कई लोगों के हालत गंभीर है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि बेनिन शहर के सेमे पोडजी में एक प्रतिबंधित ईंधन डिपो चल रहा था। डिपो पर मोटरसाइकिल और तिपहिया टैक्सियां ईंधन भरवाने के लिए आई हुई थी। मालूम हो कि नाइजीरिया एक प्रमुख तेल उत्पादक देश है और इसके अंदर और इसकी सीमाओं पर ईंधन की तस्करी होती रहती है, जिसके कारण अवैध रिफाइनरियों, ईंधन डंप और पाइपलाइनों के कारण यहां पर आग लगने की घटनाएं सामने आती रहती है।

ईंधन से भरे टैंकर से टकराकर खाई में गिरी मिनी बस, नौ लोगों की मौत, 23 से अधिक घायल

दार एस सलाम । तंजानिया में मबेया शहर के बाहरी इलाके में एक मिनी बस ईंधन टैंकर से टकराकर खाई में गिर गयी, जिसके कारण कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 23 अन्य घायल हो गए। मबेया क्षेत्रीय पुलिस कमांडर बेंजामिन कुज़ागा ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि दुर्घटना तंजानिया-ज़ाम्बिया राजमार्ग पर हुई। उन्होंने बताया कि इस हादसे में आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ा। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के समय ईंधन टैंकर जाम्बिया से दार एस सलाम के बंदरगाह की ओर जा रहा था, जबकि मिनी बस क्षेत्र के उपनगर नसलागा से मबेया शहर की ओर जा रही थी। उन्होंने बताया कि मृतकों में चार महिलाएं और पांच पुरुष हैं। घायल हुए चार लोगों की हालत गंभीर है। पुलिस ने पूछताछ के लिए ईंधन टैंकर के चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

सड़क पर भरे पानी में दौड़ रहा था करंट, चपेट में आने से मां-बेटे की मौके पर मौत

कोलकाता (आरएनएस)। उत्तरी बंगाल के जलपाईगुड़ी शहर में रविवार को सडक़ पर भरे पानी में करंट आ गया। पानी से होकर गुजर रहे मां-बेटे की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। स्थानीय चश्मदीदों ने बताया कि सबसे पहले 55 वर्षीय मां ननीबाला रॉय को करंट लगा। जैसे ही उनके 34 वर्षीय बेटे टिंकू रॉय ने उन्हें बचाने की कोशिश की, तो वह भी करंट की चपेट में आ गए। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना रविवार सुबह जलपाईगुड़ी शहर के अदारपाड़ा इलाके में घटी। दोनों पीड़ितों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया गया है। स्थानीय लोगों ने कहा कि मूसलाधार और लगातार बारिश के कारण शनिवार से जलपाईगुड़ी के विभिन्न हिस्सों में पानी भर गया है। ऐसी दुर्घटनाएं शहर में कहीं भी कभी भी हो सकती हैं।

डॉक्टरों का कारनामा, इंसान के शरीर में सूअर का 'दिल' लगाकर बचाई जान

नई दिल्ली (आरएनएस)। मेडिकल साइंस में इंसानों में किडनी, लीवर यहां तक कि हार्ट ट्रांसप्लांट होना अब आम बात हो गई है। लेकिन एक जानवर को अंग को इंसान के शरीर में लगाना जरूर ऐसा कारनामा है जो हमारी सोच से परे हैं। लेकिन अमेरिका के डॉक्टरों ने एक ऐसा ही कारनामा कर दिखाया है। डॉक्टरों ने हाल ही में 58 वर्षीय एक व्यक्ति की बॉडी में सूअर का दिल ट्रांसप्लांट किया है।

डॉक्टरों ने यहां मरते हुए व्यक्ति के शरीर में सूअर का दिल लगाकर न केवल उसकी जान बचाई, बल्कि मेडिकल सेक्टर में नया माइलस्टोन सेट कर दिया। यह पहला मौका नहीं है, जब डॉक्टरों ने इंसान के शरीर में किसी जानवर का अंग प्रत्यारोपित किया है। डॉक्टर यह कारनामा एक बार पहले भी करके दिखा चुके हैं। दरअसल, इंसान में जानवर को अंग के ट्रांसप्लांट करना जेनोट्रांसप्लेंटशन कहा जाता है। मेडिकल साइंस का यह कारनामा मानव अंग डोनेशन की पुरानी कमी को पूरा कर सकता है।

एक रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में एक लाख से ज्यादा अमेरिकी ऑर्गन ट्रांसप्लांट के लिए वेटिंग लिस्ट में हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड की तरफ से बताया गया कि यह कारनामा यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड स्कूल ऑफ मेडिसिन के एक्सपर्ट्स ने किया है। यह ऑपरेशन बुधवार को किया गया। इस केस में लॉरेंस फॉसेट नाम के पेशेंट वैस्कुलर बीमारी और इनर ब्लिडिंग के कारण किसी इंसानी हार्ट के लायक नहीं थे। उनका हार्ट फेलियर हुआ था। लेकिन डॉक्टरों ने उनके शरीर में सूअर का दिल ट्रांसप्लांट करके उनको नया जीवन दे दिया।

2024 तक आएगी पहली 'मेड इन इंडिया' चिप, आईएसएम के तहत माइक्रोन टेक्नोलॉजी प्लांट का काम शुरू

नई दिल्ली (आरएनएस)। मेड इन इंडिया आईफोन से लेकर मेड इन इंडिया लैपटॉप तक, आने वाले समय में भारत सभी इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स पर अपनी छाप छोडऩे की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सेमी-कंडक्टर के क्षेत्र में ग्लोबल प्लेयर बनने की ओर एक बड़ा कदम गुजरात में उठाया गया है। जहां पर माइक्रोन टेक्नोलॉजी के भूमि पूजन के साथ प्लांट का काम शुरू हो गया है और प्लांट का कंस्ट्रक्शन टाटा प्रोजेक्ट्स द्वारा किया जा रहा है।

भारत को सेमीकंडक्टर हब बनाने के उद्देश्य के तहत देश में माइक्रोन टेक्नोलॉजी देश में चिप उत्पादन करने वाली पहली कंपनी होगी। शनिवार को सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव, राज्य मंत्री राजीव चन्द्रशेखर और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की उपस्थिति में गुजरात के साणंद में सेमीकंडक्टर टेस्टिंग एंड एसेंबलिंग प्लांट का भूमि पूजन किया गया। आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इस प्लांट में काम शुरू होने के बाद पहली चिप दिसंबर 2024 तक रोल आउट होगी। कंपनी की ओर से इस बात की जानकारी भी शेयर की गई कि इस प्लांट के जरिए लोगों को रोजगार मुहैया कराने के लिए हायरिंग भी स्टार्ट कर दी गई है।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिकी यात्रा के तीन महीने बाद इस प्लांट का काम शुरू हो गया है। इस साल जून 2023 में क्करू रूशस्रद्ब ने अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान माइक्रोन के शीर्ष अधिकारियों के साथ मुलाकात की थी और देश में सेमीकंडक्टर प्लांट स्थापित करने के लिए माइक्रोन टेक्नोलॉजी के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। अब महज तीन महीने बाद ही माइक्रोन अपना प्लांट शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। बता दें कि कंपनी का प्रस्तावित निवेश 2.75 अरब डॉलर है, यह भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत सबसे बड़ा निवेश है।

एनआईए का बड़ा एक्शन : 19 खालिस्तानी आतंकियों की लिस्ट की जारी

❐ संपत्ति जब्त करने की तैयारी; बंद होगा कमाई का जरिया

नई दिल्ली (आरएनएस)। खालिस्तानी चरमपंथियों को लेकर पनपे भारत-कनाडा विवाद के बीच एनआईए ने कार्रवाई तेज कर दी है। एनआईए ने भारत में प्रतिबंधित संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' के प्रमुख गुरुपतवंत सिंह पन्नू की पंजाब के अलग-अलग शहरों और जगहों पर स्थित संपत्तियों को जब्त कर लिया है और अन्य 19 भगोड़े खालिस्तानी आतंकियों के खिलाफ ऐसी ही कार्रवाई करने की तैयारी में है। इन भगोड़ों की लिस्ट तैयार हो गई है, जिसमें कुल 19 नाम शामिल हैं। अब सरकार इनके आर्थिक स्त्रोत को बंद करने पर काम कर रही है। इस लिस्ट में ऐसे कई लोग शामिल हैं जो विदेश में बैठकर भारत के खिलाफ साजिश रच रहे हैं।

एनआईए सूत्रों के मुताबिक ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, दुबई, पाकिस्तान सहित दूसरे देशों में रह रहे भगोड़े खालिस्तानियों की भारत में तमाम संपत्तियां जब्त होंगी। ्रक्क्र के सेक्शन 33(5) के तहत ये संपत्तियां जब्त की जाएंगी। इन सभी भगोड़े खालिस्तानियों की भारत स्थित संपत्तियां ्रक्क्र के सेक्शन 33(5) के तहत जब्त होंगी। ये खालिस्तानी आतंकी विदेशी धरती से भारत विरोधी प्रोपेगेंडा चला रहे हैं। आपको बता दें कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने कुछ दिन पहले ही 43 भगोड़ों की एक और लिस्ट जारी की थी। एनआईए की ताजा जारी हुई सूची में निम्न नाम शामिल हैं...

1.परमजीत सिंह पम्मा- ब्रिटेन
2.वाधवा सिंह बब्बर- पाकिस्तान
3.कुलवंत सिंह मुठड़ा- ब्रिटेन
4.जेएस धालीवाल- अमेरिका
5.सुखपाल सिंह- ब्रिटेन
6.हरप्रीत सिंह उर्फ राना सिंह- अमेरिका
7.सरबजीत सिंह बेनूर- ब्रिटेन
8.कुलवंत सिंह उर्फ कांता- ब्रिटेन
9.हारजप सिंह उर्फ जप्पी सिंह- अमेरिका
10.रणजीत सिंह नीता- पाकिस्तान
11.गुरमीत सिंह उर्फ बग्गा बाबा- कनाडा
12.गुरप्रीत सिंह उर्फ बागी- ब्रिटेन
13.जसमीत सिंह हकीमजादा- दुबई
14.गुरजंत सिंह ढिल्लन- ऑस्ट्रेलिया
15.लखबीर सिंह रोड़े- कनाडा
16.अमरदीप सिंह पूरेवाल- अमेरिका
17.जतिंदर सिंह ग्रेवाल- कनाडा
18.दुपिंदर जीत- ब्रिटेन
19.एस. हिम्मत सिंह- अमरीका

एनआईए ने अमृतसर के गांव खानकोट में गुरुपतवंत सिंह पन्नू की 46 कनाल जमीन जब्त कर ली है। यह एग्रीकल्चर लैंड है। खानकोट पन्नू का पैतृक गांव है। वहीं चंडीगढ़ के सेक्टर 15सी में उसका घर भी एनआईए ने जब्त कर लिया है। इससे पहले 2020 में उसकी संपत्तियों को अटैच किया गया था। कानूनी तौर पर अब पन्नू इन संपत्तियों का मालिक नहीं रहा। ये प्रॉपर्टीज अब सरकार की हो गई हैं। भारत सरकार ने गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम यानी यूपा के तहत पन्नू के संगठन एसएफजी पर 2019 में बैन लगा दिया था। इससे संबंधित गृह मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया था कि सिख रेफरेंडम की आड़ में सिख फॉर जस्टिस संगठन पंजाब में अलगाववाद और उग्रवाद को बढ़ावा दे रहा है।

जम्मूतवी एक्सप्रेस में डकैती : बदमाशों ने फायरिंग कर लूटे लाखों रुपए, विरोध करने पर यात्रियों से की मारपीट

झारखंड (आरएनएस)। झारखंड के बरवाडीह और लातेहार स्टेशन के बीच एक बड़ी वारदात सामने आई है। यहां संबलपुर से जम्मूतवी जाने वाली जम्मूतवी एक्सप्रेस में फिल्मी स्टाइल में डकैती और लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया गया है। इस दौरान बदमाशों ने फायरिंग भी की है, जिससे कई यात्रियों के घायल होने की भी सूचना है। अपराधियों ने ट्रेन यात्रियों से लाखों की लूटपाट की। इस दौरान यात्रियों से मारपीट भी की।

जानकारी के अनुसार यह घटना बीती देर रात की है। अपराधियों ने संबलपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस के एस-9 बोगी में वारदात को अंजाम दिया है। लूटपाट के बाद अपराधी फरार हो गए। वहीं, जब ट्रेन डालटनगंज स्टेशन पहुंची, तो यात्रियों ने जमकर हंगामा किया। इस कारण ट्रेन डालटनगंज मे करीब दो घंटे खड़ी रही। बाद में घायल यात्रियों का डालटनगंज स्टेशन पर ही प्राथमिक उपचार किया गया, जिसके बाद ट्रेन आगे के लिए रवाना हुई।

यात्रियों ने बताया कि लूटपाट के दौरान बदमाशों ने आठ से दस राउंड फायरिंग की। पुलिस ने स्लीपर बोगी एस 9 से दो खोखा बरामद कर दिया है। आधा दर्जन अपराधी करीब 35 से 40 मिनट तक लूटपाट करते रहे। बरवाडीह स्टेशन के पास जैसे ही ट्रेन रुकी, सभी अपराधी उतरकर फरार हो गए। लूटपाट का विरोध करने पर अपराधियों ने कुछ यात्रियों की जमकर पिटाई भी कर दी।

कौशल विकास घोटाला : पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू से दूसरे दिन भी पूछताछ जारी

❐ 12 सीआईडी अधिकारियों की टीम पूछ रही सवाल

राजमुंद्री (आरएनएस)। राज्य के अपराध जांच विभाग के अधिकारियों ने कौशल विकास घोटाले के सिलसिले में पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू से रविवार को लगातार दूसरे दिन पूछताछ की। सीआईडी अधिकारी नायडू से राजमुंदरी सेंट्रल जेल में पूछताछ कर रहे हैं, जहां वह फिलहाल बंद हैं। उनके मुख्यमंत्री रहते हुये कथित घोटाले के बारे में अधिक जानकारी जुटाने की कोशिश में 12 सीआईडी अधिकारियों की एक टीम नायडू से सवाल कर रही है।

दूसरे दिन की पूछताछ शुरू होने से पहले नायडू की मेडिकल जांच की गई। कॉन्फ्रेंस हॉल में नायडू के वकील डी. श्रीनिवास की मौजूदगी में पूछताछ चल रही है। विजयवाड़ा एसीबी कोर्ट ने शुक्रवार को सीआईडी को नायडू की दो दिन की हिरासत दी थी। सीआईडी को नायडू के वकील की मौजूदगी में सुबह 9:30 बजे से शाम पांच बजे तक पूछताछ की अनुमति दी गई है। इसमें एक घंटे का लंच ब्रेक शामिल है। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि पूछताछ की तस्वीरें और वीडियो जारी नहीं किए जाएं।

पहले दिन शनविार को नायडू से करीब छह घंटे तक पूछताछ हुई थी। इससे पहले और बाद में उनकी मेडिकल जांच की गई। सीआईडी ने तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख की पांच दिन की हिरासत मांगी थी, लेकिन अदालत ने केवल दो दिन की हिरासत की अनुमति दी। न्यायाधीश ने निर्देश दिया कि दो दिन की हिरासत खत्म होने के बाद नायडू को वीडियो-कॉन्फ्रेंस के जरिए अदालत में पेश किया जाए।

आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने और उनकी न्यायिक हिरासत को रद्द करने की नायडू की याचिका खारिज कर दी थी। एसीबी कोर्ट ने शुक्रवार को उनकी न्यायिक हिरासत 24 सितंबर तक बढ़ा दी थी।

नायडू को इस मामले में सीआईडी ने 9 सितंबर को नंद्याल में गिरफ्तार किया था। अगले दिन, विजयवाड़ा में एसीबी कोर्ट ने उन्हें 14 दिन के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया। यह मामला आंध्र प्रदेश में उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) के समूहों की स्थापना से संबंधित है, जिसका कुल अनुमानित परियोजना मूल्य 3,300 करोड़ रुपये है। उस समय नायडू राज्य के मुख्यमंत्री थे।

सीआईडी ने दावा किया कि कथित धोखाधड़ी से राज्य सरकार को 371 करोड़ रुपये का भारी नुकसान हुआ है। एजेंसी ने दावा किया कि 371 करोड़ रुपये की अग्रिम राशि, जो परियोजना के लिए सरकार की पूरी 10 प्रतिशत प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करती है, निजी संस्थाओं द्वारा किसी भी खर्च से पहले जारी की गई थी।

सीआईडी के अनुसार, सरकार द्वारा अग्रिम के रूप में जारी की गई अधिकांश धनराशि फर्जी चालान के माध्यम से शेल कंपनियों को भेज दी गई, चालान में उल्लिखित वस्तुओं की कोई वास्तविक डिलीवरी या बिक्री नहीं हुई।

सीआईडी ने अपनी रिमांड रिपोर्ट में उल्लेख किया है कि छह कौशल विकास समूहों पर निजी संस्थाओं द्वारा खर्च की गई कुल राशि विशेष रूप से राज्य सरकार और आंध्र प्रदेश कौशल विकास केंद्र द्वारा दी गई धनराशि से प्राप्त की गई थी, जो कुल 371 करोड़ रुपये थी।